

नौ सिरों वाला पक्षी

चीनी लोककथा

बहुत समय पहले की बात है, एक राजा और रानी रहते थे जिनकी एक बेटी थी। एक दिन जब बेटी बगीचे में टहल रही थी, अचानक एक भयंकर तूफान आया और उसे अपने साथ उड़ा ले गया। यह तूफान नौ सिरों वाले पक्षी के कारण आया था, जिसने राजकुमारी को चुरा लिया था और उसे अपनी गुफा में ले गया था। राजा को पता नहीं था कि उसकी बेटी कहाँ गायब हो गई है, इसलिए उसने पूरे राज्य में यह घोषणा कर दी: "जो कोई भी राजकुमारी को वापस लाएगा, वह उसकी दुल्हन बन जाएगी!"

एक युवक राजकुमारी को अपनी गुफा में ले जा रहा था, तभी उसने उस पक्षी को देखा। यह गुफा एक खड़ी चट्टान के बीचोंबीच थी। नीचे से न तो उस तक चढ़ा जा सकता था और न ही ऊपर से उतरा जा सकता था। जब वह युवक चट्टान के चारों ओर घूम रहा था, तभी एक दूसरा युवक आया और उससे पूछा कि वह यहाँ क्या कर रहा है। पहले युवक ने उसे बताया कि नौ सिरों वाला पक्षी राजा की बेटी को उठाकर अपनी गुफा में ले आया है। दूसरे युवक को समझ आ गया कि उसे क्या करना है। उसने अपने मित्रों को बुलाया और उन्होंने युवक को टोकरी में

बिठाकर गुफा में उतारा। जब वह गुफा में गया, तो उसने देखा कि राजा की बेटी वहाँ बैठी नौ सिरों वाले पक्षी के घाव को धो रही थी; क्योंकि स्वर्ग के कुत्ते ने उसका दसवाँ सिर काट दिया था और उसका घाव अभी भी खून बह रहा था। राजकुमारी ने युवक को छिपने का इशारा किया और वह छिप गया। जब राजा की बेटी ने उसका घाव धोकर पट्टी बाँध दी, तो नौ सिरों वाले पक्षी को इतना आराम मिला कि उसके नौ सिर एक-एक करके सो गए। फिर वह युवक अपने छिपने के स्थान से बाहर आया और तलवार से उसके नौ सिर काट डाले। लेकिन राजा की बेटी ने कहा: “अच्छा होगा कि पहले तुम्हें ऊपर खींच लिया जाए, और मैं बाद में आऊँ।”

“नहीं,” युवक ने कहा। “जब तक तुम सुरक्षित नहीं पहुँच जातीं, मैं यहीं नीचे इंतज़ार करूँगा।” पहले तो राजा की पुत्री तैयार नहीं थी; फिर भी अंततः वह मान गई और टोकरी में चढ़ गई। लेकिन ऐसा करने से पहले, उसने अपने बालों से एक लंबी पिन निकाली, उसे दो हिस्सों में तोड़ दिया और एक हिस्सा उसे दे दिया और दूसरा अपने पास रख लिया। उसने अपना रेशमी रुमाल भी उसके साथ बाँट लिया और उससे कहा कि वह उसके दोनों उपहारों का ध्यान रखे। लेकिन जब दूसरे व्यक्ति ने राजा

की पुत्री को ऊपर खींच लिया, तो वह उसे अपने साथ ले गया और युवक को गुफा में ही छोड़ दिया, उसके बार-बार पुकारने और विनती करने के बावजूद।

अब वह युवक गुफा में घूमने लगा। वहाँ उसने कई युवतियों को देखा, जिन्हें नौ सिरों वाले पक्षी ने उठा लिया था और वे भूख से मर गई थीं। गुफा की दीवार पर चार कीलों से ठोंकी हुई एक मछली लटकी हुई थी। जब उसने मछली को छुआ, तो वह एक सुंदर युवक में बदल गई, जिसने उसे बचाने के लिए धन्यवाद दिया और दोनों ने एक-दूसरे को भाई मानने का वादा किया। जल्द ही पहले युवक को बहुत भूख लगी। वह भोजन की तलाश में गुफा के सामने गया, लेकिन वहाँ केवल पत्थर पड़े थे। तभी अचानक उसने एक विशालकाय अजगर को पत्थर चाटते देखा। युवक ने भी उसकी नकल की और थोड़ी देर में उसकी भूख गायब हो गई। फिर उसने अजगर से पूछा कि वह गुफा से कैसे निकल सकता है, और अजगर ने अपनी पूंछ की ओर सिर हिलाया, मानो कह रहा हो कि वह उस पर बैठ जाए। तो वह ऊपर चढ़ गया, और पलक झपकते ही वह जमीन पर था, और अजगर गायब हो गया था। फिर वह आगे बढ़ता रहा जब तक कि उसे सुंदर मोतियों से भरा एक कछुए का खोल नहीं मिल

गया। लेकिन वे जादुई मोती थे, क्योंकि अगर उन्हें आग में फेंका जाता तो आग बुझ जाती और अगर उन्हें पानी में फेंका जाता तो पानी दो भागों में बंट जाता और आप उसके बीच से चल सकते थे। युवक ने कछुए के खोल से मोती निकाले और अपनी जेब में रख लिए। कुछ ही देर बाद वह समुद्र तट पर पहुँच गया। वहाँ उसने एक मोती समुद्र में फेंका, और तुरंत पानी दो भागों में बंट गया और उसे समुद्री अजगर दिखाई दिया। समुद्री अजगर चिल्लाया: “मेरे अपने राज्य में मुझे कौन परेशान कर रहा है?” युवक ने उत्तर दिया: “मुझे कछुए के खोल में मोती मिले, और मैंने एक मोती समुद्र में फेंक दिया, और अब पानी मेरे लिए दो भागों में बंट गया है।”

“अगर ऐसा है,” अजगर ने कहा, “तो मेरे साथ समुद्र में चलो और हम वहाँ साथ रहेंगे।” तब उस युवक ने उसे पहचान लिया कि वह वही अजगर है जिसे उसने गुफा में देखा था। और उसके साथ वही युवक था जिसके साथ उसका भाईचारा बन गया था: वह अजगर का पुत्र था।

“चूँकि तुमने मेरे बेटे को बचाया है और उसके भाई बन गए हो, इसलिए मैं तुम्हारा पिता हूँ,” बूढ़े अजगर ने कहा। और उसने

भोजन और शराब से उसका आतिथ्य सत्कार किया।

एक दिन उसके दोस्त ने उससे कहा: "मेरे पिता तुम्हें इनाम देना चाहेंगे। लेकिन उनसे न तो पैसे लेना, न ही गहने, बस वह छोटा सा लौकी का पात्र ले लेना जो वहाँ रखा है। उससे तुम जो चाहो वो जादू से प्रकट कर सकते हो।"

और, जैसा कि उम्मीद थी, बूढ़े अजगर ने उससे पूछा कि वह इनाम के तौर पर क्या चाहता है, और युवक ने उत्तर दिया: "मुझे न तो पैसा चाहिए, न ही कोई गहने। मुझे बस वह छोटा सा लौकी का पात्र चाहिए जो सामने रखा है।"

पहले तो अजगर उसे देने को तैयार नहीं था, लेकिन अंत में उसने उसे दे ही दिया। और फिर वह युवक अजगर के महल से चला गया।

जब उसने दोबारा सूखी ज़मीन पर कदम रखा तो उसे भूख लगी। तुरंत उसके सामने एक मेज़ लग गई, जिस पर स्वादिष्ट और भरपूर भोजन परोसा गया था। उसने खाया-पिया। कुछ दूर चलने के बाद वह थक गया। तभी एक गधा उसका इंतज़ार कर

रहा था, जिस पर वह सवार हो गया। कुछ दूर सवारी करने के बाद गधे की चाल उसे लड़खड़ाने लगी, तभी एक गाड़ी आई और वह उसमें चढ़ गया। लेकिन गाड़ी ने उसे बुरी तरह हिला दिया, और उसने सोचा: “काश मेरे पास एक पालकी होती! वह मेरे लिए ज़्यादा आरामदायक होती।” उसके ऐसा सोचने के तुरंत बाद पालकी आ गई और वह उसमें बैठ गया। फिर पालकी उठाने वाले उसे उस शहर में ले गए जहाँ राजा, रानी और उनकी बेटी रहते थे।

जब दूसरा युवक राजा की पुत्री को लेकर लौटा, तो विवाह करने का निश्चय हुआ। परन्तु राजा की पुत्री इच्छुक नहीं थी और बोली, “यह सही व्यक्ति नहीं है। मेरा उद्धारक आएगा और मेरे बालों के लिए लंबी पिन का आधा भाग और मेरे रेशमी रूमाल का आधा भाग निशानी के तौर पर लाएगा।” परन्तु जब वह युवक काफी देर तक नहीं आया और दूसरे युवक ने राजा पर दबाव डाला, तो राजा अधीर हो गया और बोला, “विवाह कल ही होगा!” तब राजा की पुत्री दुखी होकर शहर की गलियों में अपने उद्धारक की खोज में भटकती रही। और ठीक उसी दिन पालकी आ पहुँची। राजा की पुत्री ने युवक के हाथ में अपने रेशमी रूमाल का आधा भाग देखा और प्रसन्न होकर उसे अपने

पिता के पास ले गई। वहाँ उसे लंबी पिन का अपना आधा भाग दिखाना पड़ा, जो दूसरे के बालों में ठीक से फिट हो गया, और तब राजा को विश्वास हो गया कि वही सही, सच्चा उद्धारक है। अब झूठे दूल्हे को दंडित किया गया, शादी का जश्न मनाया गया, और वे अपने जीवन के अंत तक शांति और सुख से रहे।

नोट: “नौ सिरों वाला पक्षी” एक पारंपरिक रूप से सुनाई जाने वाली परीकथा है। लंबे बालों वाली सुई, प्रेमियों द्वारा पहचान के प्रतीक के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले आधे रत्न का एक उदाहरण है (देखें “यांग गुई फे”)। गुफा में मौजूद “मछली” अजगर का पुत्र है, क्योंकि पूर्वी भारतीय नागराजों की तरह, चीनी अजगर अक्सर समुद्र देवता होते हैं। चीनी परीकथाओं में लौकी के पात्र अक्सर जादुई ताबीज के रूप में दिखाई देते हैं, और अपने स्वामियों की सेवा करने वाली आत्माओं को अक्सर उनमें कैद कर लिया जाता है।

समाप्त 🖊️🖊️